

शोध के उपकरण के रूप में साक्षात्कार अनुसूची का मूल्यांकन

Evaluation of interview schedule as a tool of research

हम यहां इस बात का मूल्यांकन करना चाहेंगे कि शोध प्रविधि में साक्षात्कार अनुसूची का कहां तक उपयोगिता है एवं इसकी क्या कमियां हैं।

साक्षात्कार अनुसूची के गुण

Merits of interview schedule

सामाजिक विज्ञानों अथवा व्यवहार परख विज्ञान में शोध प्रवृत्ति के रूप में अनुसूची का व्यवहार व्यापक रूप से किया जाता है। इसके निम्नलिखित कारण हैं:

यथार्थ तथा गहन अध्ययन

Accurate and intensive study

अनुसूची के आधार पर किसी विषय का अध्ययन यथार्थ तथा गहन होता है। कारण यह कि अनुसूची भरते समय शोधकर्ता उपस्थित रहता है और स्वयं सूचनादाताओं से प्रश्न पूछता है और उसके उत्तर को लिखता है। ऐसी हालत में सूचनादाताओं को किसी तरह की गड़बड़ी करने का अवसर नहीं मिलता है। वह किसी से पूछताछ भी नहीं कर पाते हैं और किसी अनुसूची अनुचित उपाय का व्यवहार भी नहीं कर पाते हैं। इसलिए प्राप्त सूचनाएं अधिक यथार्थ होती हैं। इसके साथ साथ अधिक से अधिक गहरा प्रश्न पूछ कर सूचनादाताओं का गहन अध्ययन किया जाता है। यह गुण प्रश्नावली में नहीं है।

वस्तुनिष्ठ आंकड़े

Objective data

अनुसूची के आधार पर जो आंकड़े प्राप्त किए जाते हैं वह प्रश्नावली के आधार पर प्राप्त आंकड़े से अधिक वस्तुनिष्ठ होते हैं। वस्तुनिष्ठ होने का अर्थ है कि प्राप्त आंकड़े अधिक ठोस तथा निश्चित होते हैं। क्योंकि यहां अधिकांश प्रश्न वस्तुनिष्ठ होते हैं।

अध्ययन की परिशुद्धता

Precision of the study

अनुसूची का एक गुण परिशुद्धता है। इसके आधार पर जो अध्ययन किया जाता है वह बहुत आंसुओं में परिशुद्ध तथा सुनिश्चित होता है। इसलिए अध्ययन में परिवर्तन या लचीलापन की संभावना नहीं रहती है।

अस्पष्ट प्रश्नों को स्पष्ट करने की सुविधा

Clarity of ambiguous questions

अनुसूची का एक बुनियादी है कि यदि इस के प्रश्नों में कोई अस्पष्ट प्रश्न होता है जिसका अर्थ किसी सूचना दाता को समझ में नहीं आता है तो शोधकर्ता उसके अर्थ को स्पष्ट कर देता है। कारण अध्ययन के समय शोधकर्ता वहां उपस्थित होता है। इसलिए सही सूचना प्राप्त करना संभव होता है। यह गुण प्रश्नावली में नहीं है। अस्पष्ट शब्दों को स्पष्ट करने की सुविधा

Clarity of ambiguous words

अनुसूची का एक बुनियादी है कि यदि इसमें प्रश्न में कोई अस्पष्टता होती है तो शोधकर्ता उसके अर्थ को स्पष्ट कर देता है और सूचना दाता होता साहनी से उसका उत्तर देने में समर्थ होता है। यह उन प्रश्नावली में नहीं है।

व्यापक क्षेत्र

Wide scope

अनुसूची का क्षेत्र अधिक व्यापक होता है। इसके द्वारा शिक्षा तथा अशिक्षित सूचना दाताओं के से सूचना प्राप्त करना संभव होता है। कारण यह कि यहां शोधकर्ता स्वयं प्रश्नों को पूछता है और उस सूचना दाता को पूछकर अनुसूची में उत्तर भरता है। इस दृष्टिकोण से अनुसूची प्रश्नावली से बेहतर है।

सूचना दाताओं का सहयोग

Cooperation of the respondents

अनुसूची एवं शोधकर्ता को सूचना दाताओं से सहयोग मिलने की पूरी संभावना रहती है। कारण यहां सूचना देता हूं तथा शोधकर्ता के बीच प्रत्यक्ष संबंध अथवा आमने-सामने का संपर्क होता है। इस आधार पर भी अनुसूची प्रश्नावली से बेहतर है।

शत-प्रतिशत प्रतिक्रियाएं

Cent percent responses

अनुसूची में सभी प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने की संभावना बनी रहती है। किसी प्रश्न के उत्तर छूट जाने पर छोड़ देनी है। शोधकर्ता स्वयं प्रश्न पूछ पूछ कर दिए गए उत्तरों को अनुसूची में भरे जाने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता है। इससे बेहतर है।

प्रत्यक्ष अध्ययन

Direct study

अनुसूची में प्रत्यक्ष रूप से अध्ययन करके सूचना प्राप्त करना संभव होता है। शोधकर्ता सूचनादाताओं से प्रत्यक्षतः प्रश्न पूछ पूछ कर आवश्यक सूचनाएं या आंकड़े हासिल कर लेता है। इसलिए सही सूचना हो या आंकड़ों के प्राप्त होने की संभावना अधिक रहती है।

उच्च विश्वसनीयता

High reliability

अनुसूची में उच्च विश्वसनीयता का पूरा देखा जाता है। यहां प्रश्नों की संख्या तथा रूपरेखा सदा निश्चित रहती है। सूचना दाता शोधकर्ताओं के साथ सहयोग करते हैं। दोनों के बीच आमने-सामने का संबंध होता है और शोधकर्ता खुद ही प्रश्न पूछ पूछ कर उत्तर लिखता है। इसलिए प्राप्त परिणामों में स्थिरता तथा संगति पाई जाती है। इतनी अधिक विश्वसनीय प्रश्नावली नहीं होती है।

उच्च वैद्यता

High validity

अनुसूची में वैद्यता का गुण पाया जाता है उसे पता चलता है कि प्रश्नावली से अनुसूची में अधिक पाई जाती है। विशेष रूप से भविष्यवाणी वैद्यता पर्याप्त मात्रा में पाई जाती है।

स्पष्ट हो जाता है कि अनुसूची में कई तरह के गुण होते हैं। इसमें निम्नलिखित हैं:

अनुसूची के दोष:

Demerits of interview schedule

समय तथा श्रम का अधिक खर्च

Time and Labour consuming

अनुसूची के द्वारा आंकड़ों के संग्रह में समय अधिक लगता है तथा अधिक श्रम करना होता है। इसमें समय अधिक लगता है।

धन का अधिक खर्च

Money consuming

अनुसूची में समय तथा श्रम के साथ साधन का भी अधिक खर्च होता है। यहां क्षेत्र कर्मचारियों के वेतन तथा भत्ते के रूप में धन का खर्च अपेक्षाकृत अधिक होता है। अस्वाभाविक अध्ययन

Unnatural study

अनुसूची में अस्वाभाविकता का दोष पाया जाता है। अध्ययन के समय शोधकर्ता के उपस्थित रहने के कारण एक नया वातावरण होता है। इसलिए अध्ययन परिस्थिति बहुत अंशों में अस्वाभाविक बन जाती है। ऐसी परिस्थिति में होने वाला अध्ययन भी बहुत अंशों में अस्वाभाविक बन जाता है। यह दोष प्रश्नावली विधि में नहीं है।

अध्ययन का सीमित प्रसार

Limited range of the study

अनुसूची के आधार पर जो अध्ययन किया जाता है। उसका प्रसार काफी सीमित होता है। यहां आंकड़ों के संकलन के लिए सूचनादाता तथा शोधकर्ता के बीच आमने-सामने का संबंध आवश्यक होता है। इसलिए यह संभव नहीं हो पाता है कि अधिक दूरी पर रहने वाले सूचनादाताओं से संपर्क स्थापित करके सूचना प्राप्त की जाए या दोष प्रश्नावली में नहीं है। व्यक्तिगत बातों का प्रभाव

अनुसूची भरते समय शोधकर्ता सूचनादाता के सामने उपस्थित होता है। शोधकर्ता ही अनुसूची से उठाकर पूछता है और सूचना दाता के द्वारा जो होता है उसे अनुसूची में भरता है। अभिव्यक्ति के ढंग का प्रभाव सूचना के संभावित उत्तर सकता है पर स्वाभाविक तथा वास्तविक ना होकर पक्षपात पूर्ण हो जाता है। यह दोष प्रश्नावली विधि में नहीं है। संख्या के लिए अनुपयुक्त

In appropriate for extensive population

संख्या अधिक होने पर उपयोगी नहीं है। दूर-दूर तक फैली हुई होती है।

बड़ी जनसंख्या के लिए अनुपयुक्त

In appropriate for large population

अनुसूची का एक दोष है कि जब जनसंख्या अधिक बड़ी होती है। ऐसी परिस्थिति में अधिक से अधिक से अधिक मुद्रा की आवश्यकता होती है जिसका बहन करना शोधकर्ता के लिए संभव नहीं होता है। इसके लिए प्रश्नावली अधिक उपयुक्त विधि है ।

Difficulty of framing questions

अनुसूची के लिए कुछ पश्न की आवश्यकता होती है जिसमें अधिक से अधिक वस्तुनिष्ठता हो तथा परिशुद्धता हो ऐसे प्रश्नों के निर्माण के लिए शोधकर्ता को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

कुशल तथा प्रशिक्षित शोधकर्ता की आवश्यकता

Need for a competent and trend researcher

अनुसूची का व्यवहार समुचित रूप से करने के लिए एक कुशल तथा प्रशिक्षित अनुसंधानकर्ता की आवश्यकता होती है। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के निर्माण एवं सफल संचालन तथा उचित सांख्यिकी विश्लेषण एवं के लिए अनुसंधानकर्ता कौशल तथा भी होना आवश्यक है।

👉 ऐसे अनुसंधानकर्ता का भाव में एक शोध उपकरण के रूप में अनुसूचित सफल नहीं होती है ।

स्पष्ट है कि अनुसूची में कई तरह के दोषी पाए जाते हैं हिंदुओं को यथासंभव दूर करके उपकरण के रूप में सफलता उपयोगी बनाया जा सकता है।

Instruction for the learners

Learners are directed to go through the lesson, try to understand it and rewrite in your own language so far as practicable .In case of any difficulty contact on my WhatsApp number

Thank you